B-IV
L-35
Economy.

विनिमय दर (Exchange Rate) :-

अर्थ :- वह दर जिस पर दो मुद्राओं को आपस में बदला जाता है।
उदाहरण के लिए, ₹ 50 = $ 1 आदि।
उपर्युक्त के आधार पर -
₹ 1 = $ $\left(\frac{1}{50}\right)$

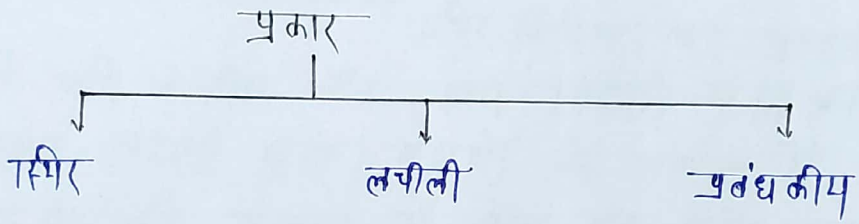

स्थिर विनिमय दर (Fixed Exchange Rate)

(a) केन्द्रीय बैंक द्वारा विनिमय दर को एक निश्चित स्तर पर निर्धारित कर दिया जाता है।
जैसे - ₹ 50 = $ 1 आदि।

(b) एक बार निर्धारित कर देने पर उसमें बार-बार बदलाव नहीं किया जाता।

(c) विदेशी व्यापार और निवेश करने के लिए हेजिंग की आवश्यकता नहीं होती।

Scanned by CamScanner

d. विदेशी मुद्रा बाजार में सट्टा नहीं होता।

e. ऊँचे विदेशी मुद्रा भण्डारों की आवश्यकता पड़ती है।

		X	M
(i)	₹ 50 = $1	$ 500	$ 500
(ii)	₹ 50 = $1	$ 500	$ 700

अवमूल्यन (Devaluation):-

स्थिर विनिमय दर प्रणाली में यदि केन्द्रीय बैंक द्वारा स्वदेशी मुद्रा का मूल्य विदेशी मुद्रा/मुद्राओं के सापेक्ष में पहले की तुलना में कम कर दिया जाता है तो इसे अवमूल्यन कहते हैं।

उदाहरण के लिए - भारत के द्वारा 1949 में पहली बार भारतीय रूपये का अवमूल्यन किया गया था।

अवमूल्यन के संभावित प्रभावों को निम्न प्रकार दिखाया जा सकता है।-

Scanned by CamScanner

Variables	Impact
1. Exports	(+)
2. Imports	(−)
3. BoT	(+)
4. GDP	(+)
5. Emp.	(+)
6. Inflation	(+)

MRP = ₹ 50

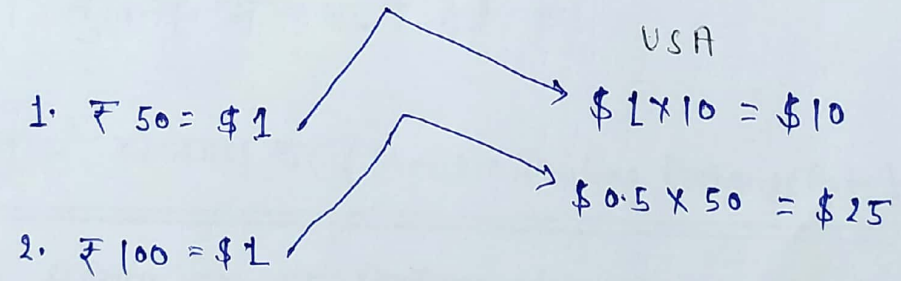

किसी राष्ट्र द्वारा अवमूल्यन करने के कारण उससे जुड़े अन्य राष्ट्रों की GDP, रोजगार, BoT आदि पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।

इसके परिणाम स्वरूप राष्ट्र प्रतिक्रियावादी हो जाते हैं और वे भी अवमूल्यन करने लगते हैं

Scanned by CamScanner

इस स्थिति को currency war कहते हैं। (UPPSC Mains)

इसका एक आधुनिक स्वरूप currency Manipulation होता है, जो विकासित राष्ट्रो द्वारा किया जाता है और विनिमय दर लचीली होती है।

अवमूल्यन को Beggar-thy-neighbour policy भी कहते हैं।

इसके अलावा इसे Expenditure Switching Policy भी कहा जाता है।

अधिमूल्यन (Revaluation) :-

इसके अंतर्गत केन्द्रीय बैंक स्थिर विनिमय दर प्रणाली में स्वदेशी मुद्रा का मूल्य विदेशी मुद्रा/मुद्राओं के सापेक्ष पहले की तुलना में बढ़ा देते हैं।

लचीली विनिमय दर (Flexible/Floating Exchange Rate)

a- विनिमय दर का निर्धारण मांग और आपूर्ति की सापेक्षिक शक्तियों पर निर्भर करता है।

b- केन्द्रीय बैंक द्वारा विनिमय दर के निर्धारण में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप में कोई भागीदारी नही की जाती।

c- विनिमय दर परिवर्तनशील होती है।

Scanned by CamScanner

d- विदेशी व्यापार और निवेश के लिए हेजिंग की आवश्यकता पड़ती है।

e- विदेशी मुद्रा बाजार में लोगों द्वारा सट्टा किया जाता है।

f- विदेशी मुद्रा भण्डारों की अधिक आवश्यकता नहीं होती है। सैद्धांतिक रूप से कोई आवश्यकता नहीं होती है।

3. प्रबंधकीय लचीली विनिमय दर - Managed Flexible - Exc. Rate :-

यह मूलतः लचीली विनिमय दर होती है लेकिन आवश्यकता पड़ने पर केन्द्रीय बैंक द्वारा प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से हस्तक्षेप किया जाता है।

भारत में यही प्रणाली प्रचलन में है इसे Dirty Float कहते है।

Scanned by CamScanner